मोकामा में तीन साल में नया पुल

गंगा पर सिक्स लेन पुल निर्माण का रास्ता सांफ, पीएम ने किया था शिलान्यास

राज्य ब्यूरो, पटना : सड़क परियोजनाओं के लिए 90 फीसद जमीन उपलब्धता की अनिवार्यता हटते ही पटना जिले के मोकामा में गंगा नदी पर राजेंद्र सेतु के समानांतर सिक्स लेन पुल के निर्माण की बाधाएं दूर हो गई हैं। यह पुल अगले तीन वर्षों में बनकर तैयार हो जाएगा। इसका शिलान्यास पिछले साल अक्टूबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

पथ निर्माण मंत्री नंद किशोर यादव ने बताया कि 1161 करोड़ की लागत से बनने वाले इस पुल का निर्माण कार्य कभी भी शुरू हो सकता है। इस पुल के बन जाने के बाद उत्तर एवं दक्षिण बिहार को एक सूत्र में जोड़ने में सहूलियत होगी। औंटा घाट से सिमरिया के बीच वर्तमान राजेंद्र सेतु से 480 मीटर पूर्व की ओर पुल का निर्माण होना है। इसमें 8.15 किमी का पहुंच पथ भी शामिल है। इस पुल के बन जाने से पटना से पूर्णिया के बीच आने-जाने में लगने वाले समय में काफी कमी आ जाएगी।

पुल निर्माण की जिम्मेदारी वेल स्पन नामक एजेंसी को दी गई है। एनएच-31 और 80 के जंक्शन से शुरू होकर यह पुल सिमरिया घाट के पास पार करेगा और सिमरिया- खगड़िया चार लेन पथ में बरौनी थर्मल पावर प्लांट के पहले मिल जाएगा। एनएच निर्माण के लिए पर्याप्त जमीन का अधिग्रहण नहीं होने के कारण इस पुल का काम शुरू नहीं हो पा रहा था। पिछले हफ्ते दिल्ली में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं पथ निर्माण मंत्री नंद किशोर यादव के साथ केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की जब मुलाकात हुई तो इसकी बाधाएं दूर हो गईं। इस दौरान मोकामा पुल की अड़चनों पर बात हुई थी। राज्य सरकार ने केंद्र से काम शुरू करने के लिए 90 फीसद जमीन उपलब्धता की सीमा को कम करके 70 फीसद करने का आग्रह किया था, जिसे केंद्र ने मान लिया। इसके बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने निर्माण यथाशीघ्र शुरू करने का निर्णय किया है।

1161 करोड़ की लागत से बनना है राजेंद्र सेतु के समानांतर पुल

तीन साल में पूरा होगा काम

सिक्स लेन पुल निर्माण के लिए जरूरी जमीन का अधिग्रहण करके राज्य सरकार ने एनएचएआइ को दे दिया है। साथ ही समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए राज्य सरकार अपनी ओर से सहयोग भी कर रही है। वेल स्पन कंपनी ने मोबिलाइजेशन का काम अप्रैल में ही शुरू कर दिया था। पुल के दोनों एप्रोच रोड के लिए 59 हेक्टेयर जमीन की जरूरत थी।

विक्रमशिला सेतु के समानांतर बनेगा नया फोर लेन पुल

राज्य ब्यूरो, पटना : भागलपुर स्थित विक्रमशिला सेतु के समानांतर नए फोर लेन पुल के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने प्रस्तावित पुल के दोनों छोर स्थित एप्रोच रोड को एनएच में शामिल किए जाने का निर्णय लिया है। केंद्र सरकार से इस बाबत मिली सैद्धांतिक सहमति के बाद भागलपुर-नवगछिया के बीच पंद्रह किमी सड़क अब एनएच में अपग्रेड हो जाएगी। पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव ने गुरुवार को इस आशय की जानकारी दी। पुल के निर्माण पर 1700 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

पिछले पखवाड़े मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ विक्रमशिला सेतु के समानांतर नए पुल के निर्माण का मामला उठाया था। इस पुल के निर्माण को लेकर डीपीआर स्वीकृत किए जाने को लेकर तकनीकी बाधा यह थी कि निर्माण के पूर्व इसके एप्रोच रोड को एनएच घोषित करना जरूरी था। ऐसा इसलिए था कि एनएच पर ही सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय नए पुल निर्माण की अनुमति दे सकता है। **52 एकड़ निजी जमीन के अधिग्रहण की होगी जरूरत** : पथ निर्माण मंत्री ने बताया कि पुल के निर्माण पर 1700 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके लिए लगभग 52 एकड़ निजी जमीन के अधिग्रहण की जरूरत होगी। राज्य सरकार ने डीपीआर तैयार कर वह केंद्र सरकार को पूर्व में ही भेज दिया है।

दोनों छोर की एप्रोच रोड एनएच घोषित, पुल के निर्माण पर 1700 करोड़ रुपये खर्च होंगे

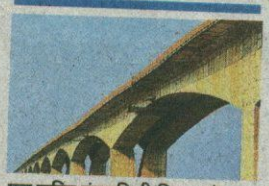

पुल सहित पंद्रह किमी हिस्सा हो जाएगा एनएच : सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के निर्णय के बाद विक्रमशिला सेतु के समानांतर प्रस्तावित फोर लेन का पंद्रह किमी हिस्सा अब एनएच हो जाएगा। भागलपुर छोर से पुल का .978 किमी एनएच में अपग्रेड होगा और नवगछिया छोर से 8.964 किमी हिस्सा एनएच में अधिसूचित होगा। पुल की लंबाई 4.367 किमी है।